प्रेस नोट

कृषि समुदाय, कृषि और संबद्ध उद्योग, अकादमिक और समाज को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी विकास और विस्तार गतिविधियों में सहयोग तथा कार्य को शुरू करने के उद्देश्य से भा.कृ.अनु.प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (भा.कृ.अनु.प.-भा.सो.अनु.प.), इंदौर और प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पी.आई.ई.एम.आर.), इंदौर के बीच समग्र रूप से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

ICAR-IISR एवं PIEMR, इंदौर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, निदेशक डॉ नीता खांडेकर ने वैज्ञानिकों की एक टीम के साथ दिनांक 5 अगस्त 2021 को पी.आई.ई.एम.आर. का दौरा किया और दोनों संस्थानों के बीच सामान्य अनुसंधान हितों और संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्रों पर विचार-विमर्श की तथा देश में सोयाबीन की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास, विस्तार, परामर्श एवं प्रशिक्षण गतिविधियाँ के लिए दीर्घकालिक सहयोग करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ एम. देशपांडे, ने निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, वैज्ञानिक और पी.आई.ई.एम.आर. कर्मचारियों का स्वागत किया और किसानों तक प्रौद्योगिकियों को पहुंचाने के संबंध में सहयोगी कार्यक्रम की आवश्यकताओं पर जोर दिया। डॉ. जॉली मसीह ने पी.आई.ई.एम.आर. में विकसित प्रौद्योगिकियों जैसे सेंसर और ड्रोन प्रौद्योगिकियों द्वारा फसल निगरानी, मृदा मानचित्रण (मैपिंग), मिट्टी संरचना विश्लेषण, एन-सामग्री, खरपतवार प्रबंधन, सेंसर आधारित ग्रीन हाउस और रोग निगरानी प्रणाली तथा किसानों को खेती के लिए आवश्यक विभिन्न आदानों हेतु डीलरों का पता लगाने संबंधित मार्गदर्शन करने हेतु विकसित उर्वरक ऐप पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। डॉ. डेविस जैन, अध्यक्ष, पीआईईएमआर ने खेतों में किसानों के उत्थान की दिशा में दो संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रयोगशाला से खेतों तक कार्य करने पर जोर दिया तथा दोनों संस्थानों से पी.आई.ई.एम.आर. में विकसित प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग और कैलिब्रेशन पर काम करने का आग्रह किया, ताकि किसानों के खेत में व्यावहारिक प्रयोज्यता हो सके। डॉ. नीता खांडेकर ने अपने संबोधन में उत्पादन को दोगुना करने के लिए सटीक कृषि और मशीन लर्निंग मॉड्यूल की आवश्यकता के बारे में चर्चा की। उन्होंने दोनों संस्थानों के बीच विचारों के आदान-प्रदान, सहयोगी अनुसंधान परियोजना के विकास की आवश्यकता पर जोर दीया। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद, टीम ने पी.आई.ई.एम.आर. की सुविधाओं, विशेष रूप से स्वचालित यंत्र और रोबोट विभाग का दौरा किया एवं ड्रोन तथा सेंसर आधारित ग्रीन हाउस प्रबंधन के अनुप्रयोग को भी देखा।

डॉ नीता खांडेकर पीआईईएमआर, इंदौर संकाय (स्टाफ) को संबोधित करते हुए

प्रोटोटाइप प्रयोगशाला का दौरा

इससे पहले, संस्थान ने तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद; इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ; कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर; उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल; कोटा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा; बरकातुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल एवं सेंट अलॉयसियस कॉलेज, (स्वायत्त) रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के साथ अनुसंधान और उच्च शिक्षा के लिए समझौता ज्ञापन पर भी वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में हस्ताक्षर किए हैं। इन प्रयासों से उद्योग के लिए तैयार गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और प्रशिक्षण जनशक्ति को तेज करने में मदद मिलेगी।

बरकातुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के साथ ऑनलाइन समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर